आरती श्री बालाजी जी की / Aarti Shri Balaji Ji

ॐ जय हनुमत वीरा स्वामी जय हनुमत वीरा ।

संकट मोचन स्वामी तुम हो रणधीरा ॥ॐ॥

पवन पुत्र अंजनी सुत महिमा अति भारी ।

दुःख दारिद्र मिटाओ संकट सब हारी ॥ॐ॥

बाल समय में तुमने रवि को भक्ष लियो ।

देवन स्तुति कीन्हीं तबही छोड़ दियो ॥ॐ॥

कपि सुग्रीव राम संग मैत्री करवाई।

बालीबलीमराय कपीशहि गद्दी दिलवाई ॥ॐ॥

जारि लंक को ले सिय की सुधि वानर हर्षाये ।

कारज कठिन सुधारे रघुवर मन भाये ॥ॐ॥

शक्ति लगी लक्ष्मण को सबही शोक भयो ।

लाय संजीवन बूटी दुःख सब दूर कियो ॥ॐ॥

रामहिं ले अहिरावण जब पाताल गयो ।

ताहि मारि प्रभु लाये जय-जयकार भयो ॥ॐ॥

राजत मेंहदीपुर में दर्शन सुखकारी ।

मंगल और शनिश्चर मेला है जारी ॥ॐ॥

श्री बालाजी की आरती जो कोई नर गावे ।

कहत इन्द्र हर्षित मनवांछित फल पावे ॥ॐ॥

सभी आरती के पीडीएफ कहीं भी डाउनलोड

atozpe.in